



# ट्रेन में मिली महिला की सेक्स की प्यास-2

“नौकरानी भी बढ़िया थी, उसने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे बाथरूम की ओर लेकर चलने लगी. यह देख कर कि ये नौकरानी भी चालू माल है तो मैंने उसका हाथ जोर से दबा दिया. ...”

Story By: Vikky Win (vwinkky)

Posted: Saturday, October 13th, 2018

Categories: [Hindi Sex Story](#)

Online version: [ट्रेन में मिली महिला की सेक्स की प्यास-2](#)

# ट्रेन में मिली महिला की सेक्स की प्यास-2

दोस्तो, आपने मेरी सेक्स कहानी के पिछले भाग

ट्रेन में मिली महिला की सेक्स की प्यास-1

में पढ़ा कि कैसे रेशमा नाम की एक महिला मुझे रांची से पटना तक की ट्रेन में मिली और उन्होंने मेरा लंड चूस कर मेरा पानी निकाला.

अब उसी कहानी का अगला भाग :

फिर जब मैं अपने रूम पर पहुंचा तो उन्होंने मेरे व्हाट्सएप पर मुझे मैसेज किया- विकी, मैं पहुंच गई हूँ. तुम अपने घर पहुंचे या नहीं ?

मैंने भी रिप्लाई किया- रेशमा जी, मैं ठीक ठाक से अपने रूम पर पहुँच गया हूँ. आपकी बहुत याद आ रही है !

और फिर अपनी जिंदगी ऐसे ही चलने लगी. बीच बीच में रेशमा मुझसे फोन पर बात कर लेती थी, कभी कभी फोन सेक्स भी हो जाया करता था. व्हाट्सएप पर तो रोज ही संदेशों का आदान प्रदान चलता रहता था.

फिर करीब एक महीने बाद वे बोली- तुम्हें दो तीन दिन बाद मेरे पास रांची आना है, तुम आ जाओ, यहीं पर मैं तुम्हें आने जाने का किराया दे दूंगी.

मैंने कहा- ठीक है, कोई बात नहीं, मैं आ आऊंगा.

मैंने 2 दिन बाद का टिकट लिया रिजर्वेशन उसी पटना स्टेशन में और मैं रांची चला गया वहां जाकर मैं जब सुबह करीब आठ बजे रांची के प्लेटफार्म पर उतरा ही था कि उन्होंने मुझे फोन किया तो मैंने उसे कहा कि मैं स्टेशन पर उतर गया हूँ.

उन्होंने पूछा- आप कहां पर हो ?

मैंने कहा- अभी तो स्टेशन के अंदर ही हूँ.

उन्होंने कहा- स्टेशन से बाहर आओ !

और मार्किंग पॉइंट बताया.

मैं वहां पर गया तो देखा वे स्विफ्ट डिजायर के साथ आई थी और जींस और टॉप में थी. वे एकदम स्वर्ग की देवी लग रही थी. मैं उनके पास गया, उन्होंने हाथ मिलाया, मैंने उन्हें भी विश किया, हेलो रेशमा बोला.

और फिर उन्होंने मुझे गाड़ी में बैठाया और खुद ही ड्राइव करने लगी. करीब 15 मिनट की ड्राइविंग के बाद मैं उनके घर पहुंच गया. बीच-बीच में रेशमा मेरे लंड को गियर बदलने के बहाने जोर से दबा देती थी. मैं भी मजा लेते हुए आ गया.

जब मैं उनके घर गया तो देखा एक आलीशान बंगला था. मैंने कहा- यह आपका घर है ?

उन्होंने कहा- हाँ !

फिर बोली- मैं आज अकेली हूँ घर में !

मैंने पूछा- आपके पति ? बच्चे ?

तो उन्होंने कहा- किसी बर्थडे पार्टी की वजह से बच्चे एक रिश्तेदार के यहां गए हुए हैं. और मेरे हस्बैंड भी बिजनेस के सिलसिले में किसी फॉरेन टूर पर गए हुए हैं. मुझे चूंकि तुमसे मिलना था तो मैंने बहाना बना दिया और रिश्तेदार के यहां नहीं गई.

मैंने कहा- चलो अच्छा किया !

वे मुझे घर के अंदर ले गई वो आगे आगे, मैं पीछे पीछे !

मैं उनके चूतड़ देख रहा था, अच्छी लग रही थी, बहुत मस्त माल थी.

अंदर देखा तो वहां उनकी एक नौकरानी भी थी. वो भी सुन्दर थी, मेरे मन में आया कि इसकी चूत भी चोदने को मिल जाये तो मजा आ जाए. क्योंकि मैं चोदने के नजरिए से भी

गया था तो मालिक की चूत मिले या उसकी नौकरानी की... क्या फर्क पड़ता है अगर दोनों मस्त हों तो !

उन्होंने मुझे फ्रेश होने को कहा, वे बोली- तब तक मैं कुछ काम कर लेती हूँ !

और अपनी नौकरानी को बोल दिया- साहब को बाथरूम बता दो !

नौकरानी भी बढ़िया थी, उसने मेरा हाथ अपने हाथ में लिया और मुझे बाथरूम की ओर लेकर चलने लगी. यह देख कर कि ये नौकरानी भी चालू माल है तो मैंने उसके हाथ को जोर से दबा दिया. उसके प्रत्युत्तर में उन्होंने भी मेरे हाथ को जोर से दबा दिया.

मैंने सोचा 'यह क्या ... आया था मैं यहां पर मालकिन के लिए ... लेकिन यहां तो नौकरानी भी चूत खोले बैठी है ! इसका मजा भी मुझे चख लेना चाहिए !

जब वह मुझे बाथरूम में छोड़ कर बाहर जाने लगी तो मैंने उसका हाथ पकड़ा कर अपनी ओर खींच लिया और उसकी चूचियां दबा दी, साथ ही कस कर एक किस कर दिया मनमाने ढंग से !

वो मुझसे खुद को छुड़ाने की कोशिश करती रही लेकिन वह असल में छुड़वाना भी नहीं चाह रही थी, मजा लेना चाह रही थी.

फिर कुछ देर के बाद वो मुझसे अलग होकर मुस्कराते हुए चली गई.

मैं स्नान करके बाहर आया तो रेशमा उसी रूम में ही थी, मुझे बोली- फ्रेश हो गए ?

मैंने कहा- हाँ जी रेशमा जी, अब तो मैंने आपको फ्रेश करना है !

उन्होंने भी बड़ी कातिल मुस्कान के साथ कहा- जी हां, अब दो दिन तक मैं तुमसे फ्रेश होऊँगी, चिंता मत करो !

मैं भी खुश हो गया.

फिर रेशमा मुझे नाश्ता करवाने के लिए ले गयी. नौकरानी नाश्ता लगा चुकी थी, अब

रेशमा ने अपनी नौकरानी को किसी काम से बाहर भेज दिया.

लेकिन नौकरानी तो बहुत समझदार थी, उसे मालूम था कि उसकी मालकिन आज चुदने वाली है मुझेसे ... उसने मुझे दूर से आंख मारी और वह बाहर चली गई.

अब रेशमा मेरे साथ नाश्ते के लिए बैठ गई. मैं और वे एक ही प्लेट में खाने लगे और वे मुझे बड़े प्यार से कभी कभी अपने हाथों से खिला देती और मैं भी उन्हें बीच-बीच में खिला देता था. धीरे-धीरे रेशमा अपने पैरों से मेरे लंड को सहलाने लगी और मेरा लंड धीरे धीरे खड़ा होने लगा. बीच बीच में मैं भी उनकी चूचियों को दबा देता था और उनके होंठ पर अंगुली फिरा देता था.

वे भी इस खेल का आनंद लेने लगी तो मैं भी खुश था. फिर धीरे-धीरे नाश्ता खत्म हो गया.

वे मुझे धीरे-धीरे किस करते करते नजदीक बड़े सोफे पर ले गई और मैं उनकी चूची को एक हाथ से दबाने लगा. जब मैं उनके कान के नीचे किस करता तो वे बड़ी मदहोश हो जाती ! वे सी सी करने लगती और मुझे मजा आने लगता. मैं भी उत्तेजित होने लगा.

इसी बीच उन्होंने कहा- उस रात जो काम तुमने अधूरा छोड़ दिया था, आज उसको पूरा करो !

“जो हुकुम मेरे आका !” यह कह कर मैं उनके कपड़ों को उनके बदन से अलग करने लगा. वह पहले से ही कम कपड़ों में थी, सिर्फ जींस और टॉप में ... अंदर ब्रा और पेंटी कुछ नहीं पहनी हुई थी. मैंने उसकी जींस और टॉप हटा दिया, बिल्कुल वे स्वर्ग की देवी के समान लग रही थी और मुझे मदहोश कर रही थी.

मैं उसे फिर से चूमने लगा, उसके बाद उन्होंने मेरे कपड़े भी उतार दिये और मेरे लंड को सहलाने लगी. इस बार मैं उसकी चूत को अच्छे से चाटना चाहता था क्योंकि मुझे चूत चाटने में बहुत मजा आता है.

मैंने पहले उनकी चूची को चूसा और वे बोल बोल रही थी- मैं तुम्हारे लिए इतने दिनों से

इंतजार कर रही थी ... तुम्हारे ही सपने देख रही थी कि कब तुम आओगे मेरे पास और उस रात की जो आग लगाई हुई थी उसे तुम शांत करोगे !  
मैंने भी कहा- हां मेरी रानी, आज आपकी चूत की सारी आग खत्म हो जायेगी.

और धीरे-धीरे चूची चूसते चूसते मैं उनके पेट पर आया, जब पेट पर किस करने लगा तो वे कामुक आवाज निकालने लगी, उनका पूरा बदन कांपने लगा और मैं किस करता रहा.  
मैंने उन्हें पूछा- अच्छा लग रहा है ?

उन्होंने कहा- आज से पहले इतना अच्छा कभी नहीं लगा ! तुम लाजवाब हो मेरे राजा !  
काश तुम पहले मिले होते तो मैं अब तक इतना नहीं तड़पती !  
मैंने कहा- कोई बात नहीं, अब हम मिले हैं तो हर स्वादिष्ट पूरी करेंगे !

फिर मैं धीरे-धीरे उनकी चूत के पास गया. चूत तो पहले से ही पानी छोड़ छोड़ कर गीली हो चुकी थी, पूरी पानी पानी हो गयी थी.

जब मैंने चूत पर जीभ लगाई तो उसका पूरा बदन से काम्पने लगा, वे मेरा सर अपनी चूत की पर दबाने लगी और मैं चूत को चाटने लगा, धीरे-धीरे उसकी चूत की जीभ से चुदाई कर रहा था.

मुझको उसकी चूत का रस अपने जीभ से टेस्ट करके बहुत अच्छा लग रहा था.

वे भी बहुत मजे ले रही थी और मुंह से पता नहीं क्या क्या बोले जा रही थी, मैं उतना बात का ध्यान नहीं दे रहा था. मेरा हाथ एक हाथ ऊपर था उनकी चूची को कभी जोर से तो कभी धीरे से मसल रहा था, उन्हें बहुत मजा आ रहा था वे बोल रही थी- इतना मजा अभी आ रहा है तो आगे और कितना मजा आएगा !

मैंने कहा- आगे आगे देखती जाओ मेरी जान !

और फिर से मैं उनकी चूत को और जोर-जोर से चाटने लगा, मैं उनकी चूत को खा जाना चाहता था और वे भी मेरे सर को अपनी चूत के ऊपर दबा रही थी.

लगभग 10 मिनट की चूत चूसने के बाद मैंने महसूस किया कि उनका पानी निकलने लगा है और वे मेरे सर को जोर से दबा रही हैं. बड़ा स्वादिष्ट पानी था, थोड़ा थोड़ा नमकीन टाइप का बड़ा मजा आ रहा था.

रेशमा ने मेरे मुंह को अपने चूत के पानी से पूरे मुंह को भर दिया और मैं पूरा पानी उनका पी गया. बहुत मजा आया.

अब उन्होंने लंबी सांस ली और मुझे ऊपर आने का इशारा किया, मेरी आंखों में बहुत ही गौर से देखा और कहा- राजे तुमने मुझे धन्य कर दिया!

और वे मेरे लंड को लंड को हिलाने लगी. मेरा लंड तो पहले से ही टाइट था और टाइट हो गया.

अब उनकी बारी थी मेरे से खेलने की ... मैं तो उनके लंड चूसने के तरीके से पहले ही परिचित था, बहुत मस्त लंड चूसती हैं.

बड़े ही प्यार से रेशमा ने मेरे लंड से पूछा- मेरा बाबू ... आज तुमको बहुत मजा आएगा इस रानी के साथ!

मेरे लंड ने भी ऊपर नीचे हिल कर उनको जवाब दिया हां में!

और उसके बाद रेशमा ने मेरे लंड को अपने मुंह में ले लिया और लंड चूसने लगी, वे लंड चूसने में एक्सपर्ट हैं, मेरी तो जैसे जान निकल रही थी. वे बहुत जोर जोर से चूस रही थी, मुझे मजा भी बहुत मजा आ रहा था.

मैंने अभी तक 45 लड़कियों, औरतों को चोदा है और एक कुंवारी बुर को भी लेकिन इनके जैसा लंड किसी ने नहीं चूसा. मैं तो एक दूसरी ही दुनिया में चला गया था.

काफी लम्बी चुसाई के बाद मेरा खुद से कंट्रोल घटने लगा और मैं झड़ने को आने लगा. मैं जोर की आवाज के साथ उनके मुंह में झड़ गया और वे घुटने के बल बैठ कर सारा पानी पी गई.

वे मेरे लंड को मुंह में ही लिए हुए थी और मैं आंखें बंद किए हुए था. जब मैंने आँखें खोली तो देखा कि दरवाजे पर नौकरानी खड़ी है और बड़ी गौर से वह हम दोनों की लंड चुसाई देख रही थी.

जब मुझसे उसकी नजर मिली तो उसने इशारे में कहा- मुझे भी चाहिए!  
तो मैंने उसे इशारे में ही बताया- ठीक है! और उसे जाने का इशारा किया.  
मुझे आंख मारते हुए वो वहां से निकल गई.

इधर मेरी रेशमा रानी मेरे लंड को चूस रही थी, चूस कर फिर से खड़ा करना चाह रही थी.  
मैंने उन्हें कहा- पांच मिनट आराम तो कर लो!  
उन्होंने कहा- नहीं मेरे राजा, मैंने तुम्हें आराम करने के लिए नहीं बुलाया है.  
मैंने भी कहा- ठीक है!

फिर मैंने कहा- रूम में चलें ?  
तो रेशमा बोली- नहीं, दिन की चुदाई यहीं पर होगी ; रात की चुदाई रूम में!  
मैंने कहा- कहीं आपकी नौकरानी आ गई तो ?  
तो उन्होंने कहा- वो तुम जानो!  
तो मैं आश्चर्यचकित रह गया.

15 से 20 मिनट की लंड चुसाई के बाद फिर से मेरा लंड खड़ा हो गया. अब वो बोली- राजे,  
अब और बर्दाश्त नहीं किया जाता! मेरे बाबू और मेरी मुनिया का मिलन करवा दो जल्दी!  
मैंने कहा- जो हुकुम मेरी जान!

मैंने उन्हें सोफे पर लिटा दिया और दोनों पैरों को फैला दिया, उसके बाद मैंने अंगूठे से उनकी चूत को सहलाया और एक जोरदार चुंबन किया.



उसके बाद मैं अपने लंड को उनकी चूत पर रख कर सहलाने लगा, सिर्फ ऊपर से सहलाने लगा. वे बेचैन होने लगी और विनती करने लगी- डालो ना !  
लेकिन मैं उन्हें और तड़पाना चाहता था.

रेशमा बार-बार विनती करने लगी, मैं हल्का सा डालता, फिर बाहर खींच लेता.

लेकिन अब मैं उनकी चूत में धीरे-धीरे लंड डालने लगा, चूत अभी भी टाइट थी, मैंने पूछा-  
रेशमा रानी, इतनी टाइट ?

तो उन्होंने कहा- पिछले दो महीने से अपने हस्बैंड को छूने भी नहीं दी है. मैंने उसी दिन सोच लिया था कि अब तुम से चुदने के बाद ही वे चोदेंगे !

उसके बाद मैंने बाकी लंड जोर से धक्के के साथ डाला और उनके मुंह से चीख निकल गई और चेहरे पर दर्द का भाव भी आया.

मैं थोड़ा देर रुका और उनके होठों को किस करने लगा. वे भी मेरा जवाब दे रही थी.

थोड़ी देर किस करने के बाद मैं हल्के हल्के धक्के देने लगा और बीच बीच में एक जोर का धक्का दे देता था जिससे उनकी हाय निकल जाती थी. मुझे भी बहुत मजा आ रहा था.  
चूत चुदाई की रफ्तार इसी तरह चल रही थी, इसी बीच वे एक बार झड़ गई और मुझे पूरा कसकर पकड़ लिया और अपनी गांड उचकाने लगी और वे मुंह से आह आह आह करने लगी.

उनकी कामुक आवाज सुनकर मुझे बहुत बहुत मजा आ रहा था और मैं भी जोर जोर से उनकी चुदाई करने लगा था. वो पूरा चीख रही थी और परदे के पीछे से उनकी नौकरानी हमारी चुदाई देख रही थी और वो मुझे दिखा कर अपनी अंगुली अपनी चूत में करने लगी.

इससे मुझे और जोश चढ़ गया और मैं जोर-जोर से उनकी चुदाई करने लगा. हर धक्के के

बाद अब उनकी आह निकल जाती !

रेशमा पूरा मजा लेकर चुद रही थी और मुंह से ना जाने क्या-क्या आवाज निकाल रही थी-  
फाइ दो मेरी चूत को राजा ... भोंसड़ा बना दो इस चूत को !

काफी लम्बी चुदाई के बाद मैं झड़ने को हुआ, इस बीच में दो बार झड़ गई थी, अब मैं जोर  
जोर से धक्के मारने लगा और उनकी चूत में ही झड़ गया.

वे भी मेरे साथ एक बार फिर झड़ गई.

मैं थक के चूर हो गया और उनके ऊपर ही लेट गया. वे भी पूरी थक गई थी और सो गयी  
थी.

कुछ देर के बाद मैंने देखा कि उनकी नौकरानी भी उंगली चोदन से झड़ चुकी थी.

मैंने उसे इशारे से पास बुलाया, वह खुली चूत लेकर मेरे पास आई. मैंने नौकरानी की चूत  
पर एक लंबा चुंबन दिया. उसने पूछा- मुझे कब करोगे ?

मैंने कहा- रात को !

वह खुश हो गई और वहां से चली गई.

फिर मैं रेशमा के साथ ही नंगा सो गया.

तो यह थी मेरी और रेशमा की चुदाई !

दोस्तो, कैसी लगी मेरी सेक्स कहानी, मुझे जरूर मेल कीजिएगा.

[vwinkky0097@gmail.com](mailto:vwinkky0097@gmail.com)

कहानी का अगला भाग : [मालकिन के साथ नौकरानी के मजे](#)

## Other stories you may be interested in

### मेरी बहू रानी को पुनः भोगने की लालसा- 2

मेरी बहू मेरे साथ सेक्स की दीवानी है. हम दोनों एक दूसरे के साथ चुदाई के लिए हमेशा लालयित रहते हैं. लम्बे अरसे के बाद मौक़ा मिलने वाला था पर ... बहू सेक्स कहानी के पहले भाग पुत्रवधू से मिलन [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरी बहू रानी को पुनः भोगने की लालसा- 1

मेरी अन्धौ कामुकता की कहानी में पढ़ें कि जब मुझे लगा कि मेरी बहू से मिलने का अवसर प्राप्त हो सकता है. तो मेरी वासना उफनने लगी. बहू के मायके में शादी थी, वहां हम मिल सकते थे. अन्तर्वासना के [...]

[Full Story >>>](#)

### कुंवारी बुर में लंड लेने की लालसा- 2

मेरी पहली बार सेक्स की कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपनी भाभी को उनके दोस्त के साथ नंगी चुदाई करते देखा. मैं भी चुदना चाहती थी पर डरती थी. यह कहानी सुनें. पहली बार सेक्स की कहानी के पहले [...]

[Full Story >>>](#)

### कुंवारे लड़के ने वेबकैम मॉडल की चूत झाड़ दी

मुझे चूत नहीं मिल रही थी, कोई लड़की नहीं पट रही थी। मेरे एक दोस्त ने दिल्ली सेक्स चैट साइट का लिंक भेजा, वहां पर मेरी जवानी की आग कैसे शांत हुई? मेरा समय बहुत ही बुरा चल रहा था [...]

[Full Story >>>](#)

### ऑफिस के दोस्त ने मेरी मां को चोदा

फ्रेंड'ज़ माँ सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि एक बार मेरा ऑफिस का कुलीग मेरे घर रुका. मेरी मम्मी और उसकी खूब जमी. उसने मेरी माँ की चूत कैसे मारी? दोस्तो, काफी दिन हो गए थे, लॉकडाउन के बाद पहली बार [...]

[Full Story >>>](#)

